जनपद देहरादून के विकासखण्ड रायपुर में दिव्य विहार से अम्बीवाला गुरूद्वारा रिंग रोड़ तक पहुँच मार्ग नवनिर्माण के प्रस्तावित समरेखण की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0, ऋषिकेश के अन्तर्गत रायपुर में दिव्य विहार से अम्बीवाला गुरूद्वारा रिंग रोड़ मार्ग का निर्माण कार्य स्वीकृत है। मार्ग निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखण वनभूमि से होकर गुजरता है जिसके लिये वनभूमि हस्तान्तरण की आवश्यकता है। अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0 ऋषिकेश के अनुरोध पर प्रस्तावित मार्ग समरेखण का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 14.10.2016 को सम्बन्धित सहायक अभियन्ता श्री यशपाल सिंह एवं कनिष्ठ अभियन्ता, श्री कमल बिष्ट, के साथ निरीक्षण किया गया।

2. दिव्य विहार से समरेखण आरम्भ होता है तथा अम्बीवाला गुरूद्वारा रिंग रोड से मिलकर समाप्त होता है। इस समरेखण के अनुसार मार्ग की लम्बाई 161 मी0 होगी। मार्ग का निर्माण देहरादून जनपद के मैदानी भाग में कराया जाना है जहॉ भूमि लगभग समतल है। समरेखण वनभूमि से होकर गुजरता है जिसमें कुछ ही वृक्ष समरेखण पर आ रहे है। वर्तमान में यहा कच्चा अस्थाई मार्ग है। भूमि में मिट्टी/बालू ग्रेवल तथा बोल्डर आदि है।

3. मार्ग का निर्माण मैदानी भाग में कराया जाना है। प्रश्नगत भाग की भू आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यो को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है। जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण के समय ध्यान में रखा जाना आवश्यक है।

(क) मार्ग निर्माण हेतु आवश्यकतानुसार **Soil Testing** कराया गया तथा **Soil Report** की संस्तुतियो को मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जायें।

(ख) मार्ग का लेवल समीपस्थ भूमि से ऊँचा रखा जाय, जिससे वर्षाकाल में आस–पास का पानी मार्ग के ऊपर से प्रवाहित न हो।

(ग) मार्ग हेतु आवश्यकतानुसार रोड साईड ड्रेन का प्रावधान किया जाय, जिससे वर्षा काल में पानी के अनियन्त्रित प्रवाह से मार्ग क्षतिग्रस्त न हो।

(घ) मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियान्त्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जाय।

4. जनपद देहरादून में रायपुर में दिव्य विहार से अम्बीवाला गुरूद्वारा रिंग रोड़ मार्ग निर्माण का प्रस्तावित समरेखण भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

H. Kumar

भूवैज्ञानिक
प्रमुख अभियन्ता (विभागाध्यक्ष)
लो0नि0वि0 उत्तराखण्ड
देहरादून

Photocopy Attested

सहायक अभियन्ता
अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0
ऋषिकेश

D.sharda manjeet letter